राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़

Email:-registrar.rmpu @gmail.com

पत्रांकः–आर0एम0पी0यू0 //011 / 2026 दिनांक 07 जुलाई, 2026

सेवा में

प्राचार्य / प्रचार्या,
समस्त राजकीय, अनुदानित, वित्तपोषित सम्बद्ध महाविद्यालय
राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय अलीगढ।

विषय– भारत स्काउट और गाइड उ0प्र0 द्वारा वर्ष 2026–27 में प्रतियोगिताओं एवं छात्रवृत्तियों का आयोजन के सम्बन्ध में।

महोदय / महोदया,

कृपया उपर्युक्त विषयक पत्र सं0 संग0–59 / 287 / 2026–27 दिनांक 08 / 05 / 2026, संग0–59 / 289 / 2026–27 दिनांक 08 / 05 / 2026, संग0–59 / 447 / 2026–27 दिनांक 20 / 05 / 2026 एवं संग0–59 / 448 / 2026–27 दिनांक 20 / 05 / 2026 (पत्र संलग्न) का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसमें भारत स्काउट और गाइड उ0प्र0 द्वारा वर्ष 2026–27 में निम्नांकित प्रतियोगिताओं एवं छात्रवृत्तियों का आयोजन किया जा रहा हैः–

1. चीफ कमिश्नर फैलोशिप
2. बी0एस0जी0 छात्रवृत्ति
3. युवा तंरग महोत्सव
4. वाद–विवाद प्रतियोगिता

अतः इस संबंध में अनुरोध है कि अपने महाविद्यालय में इन सभी प्रतियोगिताओं एवं छात्रवृत्तियों का समुचित प्रचार–प्रसार कराते हुए अधिक से अधिक संख्या में रोवर्स / रेंजर्स को प्रतिभाग कराने हेतु निर्देश देने का कष्ट करें ताकि आपके महाविद्यालय के अधिक से अधिक युवा लाभान्वित हो सके।

सलग्नकः यथोपरि

भवदीय,

7-7-26

प्रबुद्ध सिंह
(कुलसचिव)

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतुः–

1. प्रादेशिक मुख्यायुक्त, भारत स्काउट एवं गाइड, उत्तर प्रदेश।
2. श्री मंयक शर्मा, संयुक्त प्रादेशिक संगठन आयुक्त, भारत स्काउट एवं गाइड, उ0प्र0
3. सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त, भारत स्काउट एवं गाइड, उ0प्र0 ,अलीगढ़ मण्डल
4. नोडल अधिकारी, भारत स्काउट और गाइड उ0प्र0, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
5. निजी सचिव मा० कुलपति जी. मा० कुलपति जी के सज्ञानार्थ।
6. गार्ड फाईल ।

(कुलसचिव)

भारत स्काउट और गाइड, उत्तर प्रदेश

-: वाद विवाद प्रतियोगिता :-

(विश्वविद्यालय जनपद)

प्रादेशिक मुख्यालय : गोल मार्केट, महानगर, लखनऊ

E mail : upscoutsguides@yahoo.com

Website : www.bsgup.org

फोन : 0522-4323838
9839392275

भारत स्काउट और गाइड, उ० प्र०

प्रादेशिक प्रधान कार्यालय : स्काउट भवन, गोल मार्केट, महानगर, लखनऊ – 226006
E-mail : upscoutsguides@yahoo.com, Website : www.bsgup.org
रजिस्ट्रेशन संख्या एस० 1-9407/1959-1960

मुख्य संरक्षक
माननीय श्री राज्यपाल
उ० प्र०

उप मुख्य संरक्षक
माननीय मुख्यमंत्री
उ० प्र०

अध्यक्ष
डा०महेन्द्र सिंह
पूर्व मन्त्री "जल शक्ति"
उ० प्र०

मुख्ययायुक्त
डा० प्रभात कुमार
आई० ए० एस०(से० नि०)
पूर्व अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग, उ० प्र०

पत्रांक संख्या – संग०-59/448/2026-27 **दिनांक - 20/05/2026**

सेवा मे,

समस्त कुल सचिव
भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0
विश्वविद्यालय जनपद

विषय– वाद–विवाद प्रतियोगिता के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

रोवरिंग/रेंजरिंग से जुड़े मेधावी युवाओं में आत्मविश्वास,तार्किक क्षमता और प्रभावी संचार कौशल विकसित करने के उद्देश्य से वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय/प्रदेश स्तर पर वर्ष 2026 में किए जाने का निर्णय लिया गया है, जिससे सम्बन्धित दिशा निर्देश संलग्न कर प्रेषित किए जा रहे हैं।

अतः आपसे अनुरोध है कि वाद–विवाद प्रतियोगिता में अपने विश्वविद्यालय जनपद के अन्तर्गत आने वाले महाविद्यालयों के अधिक से अधिक रोवर/रेंजर की प्रतिभागिता कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नक– उक्तवत।

भवदीय

(डॉ0 प्रभात कुमार) 20/5/2026
प्रादेशिक मुख्यायुक्त

प्रतिलिपि सूचनार्थ –

1. कुलपति/अध्यक्ष,भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0,सम्बन्धित विश्वविद्यालय जनपद।
2. प्रादेशिक सचिव, भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0।
3. प्रादेशिक संगठन आयुक्त(स्का0/गा0/आई0टी0),भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0।
4. संयुक्त प्रादेशिक संगठन आयुक्त,भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0।
5. समस्त सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त(स्का0/गा0) भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0 को इस निर्देश के साथ कि उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय जनपद के अन्तर्गत आने वाले महाविद्यालयों से अधिक से अधिक प्रतिभागिता कराना सुनिश्चित करें।
6. जिला मुख्यायुक्त, भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0,सम्बन्धित विश्वविद्यालय जनपद।
7. जिला आयुक्त(स्का0/गा0), भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0,सम्बन्धित विश्वविद्यालय जनपद।
8. समस्त जिला संगठन आयुक्त/जिला प्रशिक्षण आयुक्त(रोवर/रेंजर),भारत स्काउट्स एण्ड गाइडस् उ0प्र0,सम्बन्धित विश्वविद्यालय जनपद।

(डॉ0 प्रभात कुमार)
प्रादेशिक मुख्यायुक्त

भारत स्काउट और गाइड,उत्तर प्रदेश
रोवर/रेंजर वाद–विवाद प्रतियोगिता
(रोवर/रेंजर)

भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स में रोवर/रेंजर की शाखा 15–25 वर्ष की आयु सीमा के युवाओं के लिए निर्धारित है। जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं के शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक विकास के माध्यम से युवाओं की क्षमता को पूर्ण करना है। यह उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाने,आत्मविश्वास विकसित करने,समाज सेवा,टीम भावना और देश के प्रति कर्त्तव्य का पालन करने हेतु प्रेरित करता है। रोवरिंग/रेंजरिंग का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है जो समाज के लिए उपयोगी हो और सेवा के माध्यम से मानवता की सेवा करे। सत्र 2026–27 में विश्वविद्यालय जनपद/प्रदेश स्तर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन छात्रों को एक जिम्मेदार,जागरुक और तार्किक विचार के रुप में तैयार करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। वाद–विवाद प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों में आत्मविश्वास,तार्किक क्षमता और प्रभावी संचार कौशल विकसित करना है।

वाद–विवाद उन्हें किसी विषय के विभिन्न पहलुओं को समझने,साक्ष्यों के साथ स्पष्ट रुप से अपने विचार रखने और दूसरों को अपने दृष्टिकोण से सहमत करने की कला सिखाती है।

वाद–विवाद प्रतियोगिता के प्रमुख उद्देश्य –

- **तार्किक और आलोचनात्मक सोच**–प्रतिभागियों को किसी मुद्दे के पक्ष और विपक्ष दोनों पर गहराई से शोध और विश्लेषण करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- **आत्मविश्वास में वृद्धि**–मंच पर खड़े होकर बोलने से डर को कम करती है और आत्मविश्वास बढ़ाती है।
- **प्रभारी संचार कौशल**–यह स्पष्ट,तार्किक और प्रभावशाली तरीके से अपने विचारों को व्यक्त करने की कला सिखाती है।
- **अनुसंधान और ज्ञान** –यह प्रतिभागियों को एक विषय पर गहराई से शोध करने,जानकारी एकत्र करने और साक्ष्यों के साथ तर्क प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करती है।
- **समान अवसर एवं निष्पक्षता**– सभी पक्षों को बिना किसी भेदभाव के अपने विचार रखने एवं विचार रखने का एक मंच प्रदान करना।
- **सामाजिक अवसर**–असहमति के बीच भी शिष्टता बनाए रखना और और दूसरों के विचारों को सम्मानपूर्वक सुनना।

वाद–विवाद प्रतियोगिता के लाभ–

- वाद–विवाद प्रतियोगिता हमारे व्यक्तित्व को निखारने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- वाद–विवाद प्रतियोगिता से छात्रों के श्रवण और बोलने के कौशल में वृद्वि तो होती ही है साथ ही साथ उनके ज्ञान में बढ़ोत्तरी भी होती है।
- वाद–विवाद प्रतियोगिता से तर्क करने वालों की गुणवत्ता में भी सुधार होता है।

वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन – वाद–विवाद प्रतियोगिता 02 स्तर पर आयोजित होगी।

(अ) विश्वविद्यालय स्तर

(ब) प्रदेश स्तर

(अ) विश्वविद्यालय स्तर – विश्वविद्यालय स्तर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित करने का उत्तरदायित्व सम्बन्धित विश्वविद्यालय जनपद का होगा।

(ब) प्रदेश स्तर – प्रदेश स्तर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित करने का उत्तरदायित्व भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0, प्रादेशिक मुख्यालय का होगा।

(अ) <u>विश्वविद्यालय स्तर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन</u>

वाद–विवाद प्रतियोगिता हेतु अर्हता –

1. वाद–विवाद प्रतियोगिता में **15–25 की आयु** सीमा के रोवर/रेंजर प्रतिभाग करेंगे।
2. प्रतियोगिता में प्रत्येक महाविद्यालय से 01 रोवर तथा 01 रेंजर प्रतिभाग करेंगे,जिसका निर्णय महाविद्यालय द्वारा किया जायेगा।

विश्वविद्यालीय वाद–विवाद प्रतियोगिता की समयावधि–

1. विश्वविद्यालीय वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय स्तर पर 05 नवम्बर तक होना है।
2. प्रदेश स्तर पर आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन दिसम्बर माह में होगा।
3. प्रदेश स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता हेतु तिथि एवं स्थान के निर्धारण की सूचना से समस्त विश्वविद्यालयों को ससमय अवगत कराया जायेगा।

विश्वविद्यालीय वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन –

1. विश्वविद्यालीय वाद–विवाद प्रतियोगिता हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर एक समन्वयक (coordinator) अनिवार्य रुप से नियुक्त किया जाये।

2. विश्वविद्यालीय वाद–विवाद प्रतियोगिता हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर कुलपति द्वारा एक 05 सदस्यीय समिति निम्नानुसार गठित की जायेगी–

1.	कुल सचिव	अध्यक्ष
2.	जिला मुख्यायुक्त	सदस्य
3.	संयुक्त प्रादेशिक संगठन आयुक्त(स्का0/गा0)	सदस्य
4.	सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त(स्का0/गा0)	सदस्य
5.	जिला संगठन आयुक्त (रोवर/रेंजर)	सदस्य

3. प्रतियोगिता हेतु विषय का चयन विश्वविद्यालय की उपरोक्त समिति द्वारा किया जायेगा।
4. समन्वयक विश्वविद्यालय स्तर पर गठित समिति के माध्यम से प्रतियोगिता का परिपत्र समस्त दिशा निर्देश के साथ **30 अगस्त तक** अनिवार्य रुप से निर्गत करेंगे।
5. विश्वविद्यालय स्तर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता हेतु गठित समिति प्रतियोगिता के मूल्यांकन हेतु विषय विशेषज्ञों को निर्णायक के रुप में आमंत्रित करके प्रतियोगिता का मूल्यांकन करेगी।
6. विश्वविद्यालीय वाद–विवाद प्रतियोगिता में चयनित रोवर/रेंजर में से सर्वश्रेष्ठ 01 रोवर तथा 01 रेंजर को प्रदेश स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना होगा।
7. विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में से सर्वश्रेष्ठ 01 रोवर तथा 01 रेंजर के नाम विश्वविद्यालय जनपद को **20 नवम्बर 2026** तक प्रादेशिक मुख्यालय अनिवार्य रुप से भेजने होंगे।

(ब) <u>प्रदेश स्तर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन –</u>

1. प्रदेश स्तर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0 प्र0,प्रादेशिक मुख्यालय द्वारा किया जायेगा।
2. प्रदेश स्तर पर चयनित रोवर/रेंजर में से प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले **03 रोवर एवं 03 रेंजर** को नकद पुरस्कार दिया जायेगा।

प्रतियोगिता में चयनित रोवर/रेंजर हेतु निर्धारित पुरस्कार धनराशि–

क्रम संख्या	पुरस्कार	पुरस्कार धनराशि (रोवर)	पुरस्कार धनराशि (रेंजर)
1	प्रथम	40,000/–	40,000/–
2	द्वितीय	30,000/–	30,000/–
3	तृतीय	20,000/–	20,000/–

नोट – विशेष परिस्थिति में सांत्वना पुरस्कार पर भी प्रादेशिक मुख्यायुक्त द्वारा विचार किया जा सकता है।

1. विश्वविद्यालीय वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले रोवर/रेंजर प्रतिभागियों में से वरीयता क्रम में चयनित 01 रोवर तथा 01 रेंजर को प्रदेश स्तरीय वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना होगा।
2. प्रदेश स्तरीय वाद–विवाद प्रतियोगिता के आयोजन हेतु समिति का गठन प्रादेशिक मुख्यायुक्त महोदय द्वारा किया जायेगा।
3. प्रदेश स्तर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन 15 दिसम्बर 2026 से पूर्व किया जायेगा।
4. प्रदेश स्तर पर प्रतिभाग करने वाले चयनित प्रतिभागियों का मार्ग व्यय सम्बन्धित विश्वविद्यालय/प्रतिभागी द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा।
5. स्थान एवं तिथि की सूचना के सम्बन्ध में 30 सितम्बर 2026 तक पत्र के माध्यम से विस्तृत दिशा निर्देश भेजे जायेंगे।

ध्यान देने योग्य तिथियॉं/माइल स्टोन –

1	प्रदेश स्तर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता के निर्देश प्रसारित होने की तिथि	मई 2026 तक
2	विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर अभ्यर्थियों के पंजीकरण की तिथि	01 अगस्त से 30 सितम्बर 2026 तक
3	विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन	05 नवम्बर 2026 तक
4	चयनित अभ्यर्थियों की सूची प्रदेश मुख्यालय भेजने की अन्तिम तिथि	20 नवम्बर 2026 तक
5	प्रदेश स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन	15 दिसम्बर 2026 से पूर्व

==========XXX==========

भारत स्काउट और गाइड,उत्तर प्रदेश

प्रादेशिक मुख्यालय,गोल मार्केट,महानगर,लखनऊ

विश्वविद्यालीय वाद–विवाद प्रतियोगिता

सम्वर्ग–रोवर/रेंजर

BSG UID	B	S	G									
ADHAR NO-												

प्रतिभागी वर्दी में फोटो यहॉ चस्पा करें

1. नामः–(हिन्दी में).....

   नाम(अंग्रेजी के कैपिटल लेटर्स में).....

2. पिता का नाम.....

3. जन्मतिथि ...../...../.....लिंग(महिला/पुरुष)

4. पता.....

   .....पिन कोड.....

5. जनपद..... मण्डल.....

.

6. मोबाइल नम्बर.....व्हाट्सअप नम्बर.....

7. ई–मेल आई0डी0(जो BSG Event पर पंजीकृत हो)

   .....

8. शैक्षिक योग्यता.....रोवरिंग/रेंजरिंग योग्यता.....

9. ब्लड ग्रुप .....रक्तदान में भागीदारी (हॉ/नहीं) .....

दिनांक..... **(हस्ताक्षर प्रतिभागी)**

भारत स्काउट और गाइड, उत्तर प्रदेश

-: युवा तरंग महोत्सव :-

(विश्वविद्यालय जनपद)

प्रादेशिक मुख्यालय : गोल मार्केट, महानगर, लखनऊ

E mail : upscoutsguides@yahoo.com

Website : www.bsgup.org

फोन : 0522-4323838
9839392275

भारत स्काउट और गाइड, उ० प्र०

प्रादेशिक प्रधान कार्यालय : स्काउट भवन, गोल मार्केट, महानगर, लखनऊ – 226006
E-mail : upscoutsguides@yahoo.com, Website : www.bsgup.org
रजिस्ट्रेशन संख्या एस० 1-9407/1959-1960

मुख्य संरक्षक
माननीय श्री राज्यपाल
उ० प्र०

उप मुख्य संरक्षक
माननीय मुख्यमंत्री
उ० प्र०

अध्यक्ष
डा०महेन्द्र सिंह
पूर्व मन्त्री "जल शक्ति"
उ० प्र०

मुख्ययुक्त
डा० प्रभात कुमार
आई० ए० एस० (से० नि०)
पूर्व अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग, उ० प्र०

पत्रांक संख्या – संग०-59/447/2026-27 **दिनांक - 20/05/2026**

सेवा मे,

समस्त कुल सचिव
भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0
विश्वविद्यालय जनपद

विषय– युवा तरंग महोत्सव के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

रोवरिंग/रेंजरिंग से जुड़े युवाओं की प्रतिभा,नेतृत्व क्षमता,कौशल,संस्कृति तथा सामाजिक जागरुकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से युवा तरंग महोत्सव का आयोजन विश्वविद्यालय स्तर पर किए जाने का निर्णय लिया गया है। जिससे सम्बन्धित दिशा निर्देश संलग्न कर प्रेषित किए जा रहे हैं।

अतः आपसे अनुरोध है कि युवा तरंग महोत्सव में अपने विश्वविद्यालय जनपद के अन्तर्गत आने वाले महाविद्यालयों के अधिक से अधिक रोवर/रेंजर की प्रतिभागिता कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नक– उक्तवत।

भवदीय
20/05/2026
(डॉ0 प्रभात कुमार)
प्रादेशिक मुख्यायुक्त

प्रतिलिपि सूचनार्थ –

1.कुलपति/अध्यक्ष,भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0,सम्बन्धित विश्वविद्यालय जनपद।
2.प्रादेशिक सचिव, भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0।
3.प्रादेशिक संगठन आयुक्त(स्का0/गा0/आई0टी0),भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0।
4.संयुक्त प्रादेशिक संगठन आयुक्त,भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0।
5.समस्त सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त(स्का0/गा0) भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0 को इस निर्देश के साथ कि उक्त कार्यक्रम में सम्बन्धित विश्वविद्यालय से अधिक से अधिक प्रतिभागिता कराना सुनिश्चित करें।
6.समस्त जिला मुख्यायुक्त, भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0,सम्बन्धित विश्वविद्यालय जनपद।
7.जिला आयुक्त(स्का0/गा0), भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0,सम्बन्धित विश्वविद्यालय जनपद।
8.समस्त जिला संगठन आयुक्त/जिला प्रशिक्षण आयुक्त(रोवर/रेंजर), भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0,सम्बन्धित विश्वविद्यालय जनपद।

20/05/2026
(डॉ0 प्रभात कुमार)
प्रादेशिक मुख्यायुक्त

भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उत्तर प्रदेश
युवा तरंग महोत्सव
(रोवर/रेंजर)

भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उत्तर प्रदेश संस्था युवाओं में साहस,स्वावलम्बन एवं सेवा भाव जागृत कर समाज तथा राष्ट्र के लिये आदर्श और चरित्रवान नागरिक तैयार करती है। भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स,उ0प्र0 संस्था द्वारा एक पहल की जा रही है,जिसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय जनपदों में युवाओं के बीच आपसी सम्बन्धों को मजबूत करना,सांस्कृतिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देना और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत'की भावना को मजबूत करना है। यह कार्यक्रम सांस्कृतिक समावेशन,ज्ञान साझाकरण और सार्थक बातचीत को बढ़ावा देता है,जिसमें 15 से 25 वर्ष की आयु वर्ग के रोवर/रेंजर भाग लेंगे। यह पहल युवाओं को भारत की प्राचीन संस्कृति को जानने का एक अनूठा अनुभव प्रदान करेगी। युवा तरंग महोत्सव कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं की प्रतिभा,नेतृत्व क्षमता,कौशल,संस्कृति एवं सामाजिक जागरुकता को बढ़ावा देना है।

(1) मुख्य उद्देश्य–

1. विभिन्न प्रकार की संस्कृति ,परम्पराओं और जीवन शैली को समझना।
2. भारत की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाना और युवाओं को एक साथ लाकर राष्ट्रीय एकता, भाईचारे और साम्प्रदायिक सौहार्द की भावना को विकसित करना।
3. युवाओं को ऊर्जा को रचनात्मक और सकारात्मक दिशा में मोड़ना।
4. विविधता में एकता की भावना को विकसित करना।

विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर रोवर/रेंजर हेतु आयोजित युवा तरंग महोत्सव के सम्बन्ध में दिशा निर्देश निम्नवत हैं–

(1) युवा तरंग महोत्सव हेतु श्रेणी– युवा तरंग महोत्सव का आयोजन विश्वविद्यालय जनपद हेतु 02 सम्वर्गों में किया जायेगा–

(अ) रोवर

(ब) रेंजर

(2) युवा तरंग महोत्सव हेतु अर्हता –

क्रम संख्या	सम्वर्ग	अर्हता
1	रोवर	15 से 25 वर्ष के बीच की आयु
2	रेंजर	15 से 25 वर्ष के बीच की आयु

(3) युवा तरंग महोत्सव हेतु पंजीकरण प्रक्रिया –

1. युवा तरंग महोत्सव में प्रतिभाग करने के लिए यूनिट का पंजीकृत एव अद्यतन नवीनीकृत होना अनिवार्य है।
2. प्रतिभागियों की बी0एस0जी0यू0आई0डी0 होना अनिवार्य है।
3. प्रतिभागियों को अपना पंजीकरण संलग्न निर्धारित आवेदन फार्म के माध्यम से करना होगा तथा यूनिट लीडर के माध्यम से आवेदन फार्म विश्वविद्यालय जिला संस्था में जमा करना होगा।

(4) युवा तरंग महोत्सव कार्यक्रम हेतु समिति –

युवा तरंग महोत्सव कार्यक्रम हेतु विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर 05 सदस्यीय समिति कुलपति द्वारा निम्नानुसार गठित की जायेगी–

1.	कुल सचिव	अध्यक्ष
2.	जिला मुख्यायुक्त	सदस्य
3.	संयुक्त प्रादेशिक संगठन आयुक्त	सदस्य
4.	सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त(स्का0/गा0)	सदस्य
5.	जिला संगठन आयुक्त(रोवर/रेंजर)	सदस्य

(5) युवा तरंग महोत्सव का आयोजन –

1- युवा तरंग महोत्सव का आयोजन विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर विश्वविद्यालय जिला संस्था द्वारा किया जायेगा।

2- विश्वविद्यालय जिला संस्था द्वारा युवा तरंग महोत्सव का आयोजन अक्टूबर माह में किया जायेगा।

3- युवा तरंग महोत्सव कार्यक्रम दो दिवसीय आयोजित होगा।

4- युवा तरंग महोत्सव का आयोजन विश्वविद्यालय जिला संस्था द्वारा निर्धारित स्थल पर मुख्यालय जनपद में किया जायेगा।

5- युवा तरंग महोत्सव हेतु पुरस्कार की व्यवस्था विश्वविद्यालय के रोवर/रेंजर कोष से की जायेगी।

6- विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित युवा तरंग महोत्सव हेतु निर्धारित कार्यक्रम स्थल की सजावट **"थीम"** के आधार पर की जायेगी।

(6) पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रक्रिया –

1. विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर आयोजित युवा तरंग महोत्सव में निम्न प्रतियोगिताओं में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त (संवर्गवार) अर्थात रोवर और रेंजर प्रतिभागियों को अलग–अलग नकद पुरस्कार विश्वविद्यालय जिला संस्था द्वारा दिया जायेगा–

क्रम संख्या	विषय	पुरस्कार(सम्वर्गवार)	निर्धारित धनराशि
1	बी0एस0जी0 क्विज	प्रथम	1000.00
		द्वितीय	750.00
		तृतीय	500.00
2	स्लोगन	प्रथम	1000.00
		द्वितीय	750.00
		तृतीय	500.00
3	नृत्य नाटिका/नाटिका	प्रथम	2000.00
		द्वितीय	1500.00
		तृतीय	1000.00

2. प्रतियोगिताओं मे प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मोमेंटो/शील्ड एवं प्रमाणपत्र भी विश्वविद्यालय जिला संस्था द्वारा तथा समस्त उपस्थित प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय जिला संस्था द्वारा दिया जायेगा।

(7) **युवा तरंग महोत्सव के विषय** – युवा तरंग महोत्सव में विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों हेतु निर्धारित विषय निम्नानुसार हैं:–

1- **BSG पटल** –विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित युवा तरंग महोत्सव कार्यक्रम में BSG पटल पर प्रदेश द्वारा तैयार की गई प्रेरक विडियोज इस पटल पर प्रोजक्टर के माध्यम से दिखाई जायेगीं,जिससे रोवर/रेंजर को भारत स्काउट और गाइड संस्था के उद्देश्यों तथा विशेषताओं के साथ साथ इसकी उपलब्धियों की भी जानकारी हो सके और इसके साथ ही साथ भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0 की बेबसाइट के बारे में भी अवगत कराया जायेगा।

2- **स्लोगन लेखन प्रतियोगिता** – किसी विषय,उद्देश्य के समर्थन में लिखा गया एक संक्षिप्त,आकर्षक और प्रेरणादायक वाक्य या वाक्यांश है। यह कम शब्दों में गहरा संदेश देने का एक माध्यम है,जो लोगों को किसी विशेष कार्य के लिए प्रेरित करने, जागरुक करने या याद करने के लिए प्रेरित करता है,जैसे–"स्वच्छ भारत,स्वस्थ भारत"। स्लोगन विज्ञापनों,रैलियों,पोस्टरों और सामाजिक संदेशों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

नोट–स्लोगन प्रतियोगिता के लिए विषय एवं संख्या का निर्धारण विश्वविद्यालय जिला संस्था द्वारा किया जायेगा।

3- **बी0एस0जी0 क्विज प्रतियोगिता** – बी0एस0जी0 क्विज प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य रोवर्स/रेंजर्स को भारत स्काउट और गाइड के नीति ,नियम,सिद्वान्तो के साथ–साथ विषयों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारियॉ प्रदान करते हुए उनके ज्ञान में वृद्वि करना है। युवा तरंग महोत्सव के अन्तर्गत बी0एस0जी0क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले रोवर्स/रेंजर्स को विश्वविद्यालय जनपद द्वारा निर्धारित बी0एस0जी0क्विज हेतु ऑनलाइन प्रश्नों के उत्तर देते हुए प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना होगा।

4- **नृत्य नाटिका/लघु नाटिका प्रतियोगिता** –नृत्य नाटिका एक ऐसी प्रदर्शन कला है, जिसमें किसी कहानी या कथानक को नृत्य,अभिनय,संगीत,हाव भाव और वेशभूषा के माध्यम से रंगमंच पर प्रस्तुत किया जाता है। यह एक मूक कहानी वाचन का तरीका है,जो भावनाओं और लय के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

नाटिका एक लघु या छोटा नाटक है। लघु नाटिका एक छोटा,एकल अंक का नाटक होता है जो एक ही दृश्य या घटना में किसी विषय को संक्षेप में प्रस्तुत करता है। यह मुख्य रुप से सामाजिक,सांस्कृतिक या राजनीतिक मुद्दों को कम समय सीमा में,संवाद और अभिनय के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने का एक जीवन्त माध्यम है।

नोट– नृत्य नाटिका/लघु नाटिका प्रतियोगिता हेतु समय एवं संख्या का निर्धारण विश्वविद्यालय जिला संस्था द्वारा किया जायेगा।

मूल्यांकन–

1- नृत्य नाटिका/नाटिका का मूल्यांकन अभिनव,संवाद,विषय वस्तु और मंच की प्रभावशीलता के आधार पर किया जायेगा।

2- नाटक का विषय प्रासंगिक(सामाजिक,शैक्षिक,सांस्कृतिक)होना चाहिए और एक स्पष्ट संदेश देने वाला होना चाहिए।

3- पात्रों का संवाद,हाव भाव और मंच पर आत्मविश्वास के आधार पर मूल्यांकन होगा।

4- सभी पात्रों के बीच तालमेल,संवाद के दौरान उचित ठहराव और समन्वय के आधार पर मूल्यांकन किया जायेगा।

5- मूल्यांकन पात्रों के अनुरुप वेशभूषा एंव मेकअप के आधार पर किया जायेगा।

5- एडवेंचर कार्यक्रम – एडवेंचर कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में आत्मविश्वास,नेतृत्व क्षमता,शारीरिक फिटनेस और साहसिक कौशल विकसित करना है। यह "करके सीखने" के सिद्वान्त पर आधारित है,जो प्रकृति के बीच चुनौतियों का सामना करने,टीम वर्क और चरित्र निर्माण के माध्यम से उन्हें जागरुक नागरिक बनाता है।

कार्यक्रम– कैम्पिंग,हाइकिंग,पुल/टावर का निर्माण,चट्टानों पर चढ़ना और उतरना,नये रास्तों की खोज और मैपिंग करना आदि। युवा तरंग महोत्सव कार्यक्रम में उक्त एडवेंचर कार्यक्रमों के आयोजन का सम्पूर्ण उत्तरदायित्व जिला मुख्यायुक्त एवं जनपदीय पदाधिकारियों का होगा।

6- रक्तदान/जीवनदान अभियान – भारत स्काउट और गाइड युवाओं का संगठन है और जिसका मुख्य उद्देश्य समाज /राष्ट्र की सेवा में अपना योगदान देना है। युवा तरंग महोत्सव के अन्तर्गत आपातकालीन स्थितियों में जीवन बचाने के लिए रक्त एकत्रित करने का एक निःस्वार्थ सामाजिक प्रयास है।

उद्देश्य– रक्तदान अभियान के निम्न उद्देश्य हैं–

1. युवाओं को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरुक करना और उन्हें स्वेच्छा से रक्तदान के लिए प्रेरित करना।
2. सामुदायिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और समाज में निःस्वार्थ सेवा की भावना पैदा करना।

युवा तरंग महोत्सव कार्यक्रम में विश्वविद्यालय जिला संस्था ब्लड बैंक से सम्पर्क स्थापित करते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन करेगी और आवेदन फार्म के माध्यम से इच्छुक रोवर्स/रेंजर्स का इस रक्तदान/जीवन दान में सहयोग प्राप्त करते हुए रोवर्स/रेंजर्स की सूची ब्लड ग्रुप सहित प्रदेश मुख्यालय को प्रेषित करेगी,जिससे मानवता की सेवा में रोवर्स/रेंजर्स अपनी भूमिका निभा सकें।

नोट– रक्तदान की सूची को प्रादेशिक मुख्यालय की बेबसाइट पर भी अपलोड करें।

7- हस्तकला प्रदर्शनी – युवाओं के लिए हस्तकला प्रदर्शनी उनकी रचनात्मकता को मंच देने,रोजगार के अवसर पैदा करने और पारंपरिक कला–संस्कृति को सहेजने का एक बेहतरीन माध्यम है। यह उन्हें अपनी कल्पना को उत्पादों मे बदलने और आर्थिक रुप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित करती है।

हस्तकला प्रदर्शनी युवाओं के विकास और भविष्य के लिए निम्नलिखित कारणों से अत्यधिक महत्वपूर्ण है–

1- युवा पीढ़ी अपनी पारंपरिक कलाओं से जुड़ती है और विलुप्त होती कला–शैलियों (जैसे–पेंटिंग,बुनाई और मिट्टी के बर्तन बनाना) को सीखने के लिए प्रेरित करती है।

2- प्रदर्शनी में अन्य अनुभवी कलाकारों के कार्यों को देखकर युवाओं को नई तकनीकें,बारीकियॉ और डिजाइन के तरीके सीखने को मिलते हैं,जिससे उनके कौशल का विकास होता है।

युवा तरंग महोत्सव में हस्तकला प्रदर्शनी के माध्यम से युवाओं द्वारा तैयार उत्पादों को बिक्री हेतु भी रखा जायेगा,जिससे उन्हें रोजगार के अवसर के साथ–साथ आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सके।

8- फिट इण्डिया/नशा मुक्ति साईकिल जन जागरुकता रैली – युवा तरंग महोत्सव मे फिट इण्डिया/नशा मुक्ति हेतु एक जनजागरुकता रैली युवा तरंग महोत्सव समिति द्वारा निर्धारित मार्गो से रोवर्स/रेंजर्स द्वारा निकाली जायेगी। युवाओं को शारीरिक एवं मानसिक रुप से मजबूत बनाने और उन्हें नशे की बुराई से दूर रखने का एक सशक्त माध्यम है। यह रैली देश के युवाओं

को यह संदेश देगी कि "नशे से दूरी,जीवन से दोस्ती" ही सफलता और राष्ट्र निर्माण का एकमात्र मार्ग है। युवावस्था में ऊर्जा असीमित होती है,इस प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेने से युवाओं की ऊर्जा सकारात्मक एवं रचनात्मक कार्यों में लगती है। यह युवाओं को लक्ष्य निर्धारित करने और उसे प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है। साईकिल रैली से युवाओं में प्रकृति के संरक्षण की भावना विकसित होगी।

9- किम्स गेम– रोवरिंग/रेंजरिंग में किम्स गेम एक अवलोकन बढ़ाने वाला प्रसिद्व स्मृति और अवलोकन बढ़ाने वाला खेल है,जिसका उद्देश्य याददाश्त को तेज करना है। यह खेल वेडेन पावेल के समय से स्काउटिंग/गाइडिंग में एक प्रमुख प्रशिक्षण गतिविधि रहा है। यह खेल मानव शरीर की मुख्य पॉच इंद्रियों (ज्ञानेन्द्रियों)चक्षु,श्रवण,घ्राण,स्वाद और स्पर्श पर आधारित है,जो क्रमशः ऑख,कान,नाक,जीभ और त्वचा द्वारा संचालित होती है। ये इंद्रियॉ वातावरण की सूचनाओं को मस्तिष्क तक पहुॅचाती हैं।

उद्देश्य– एकाग्रता, अवलोकन क्षमता और स्मृति को विकसित करना। यह खेल स्काउट्स के विवरणों पर ध्यान देने और त्वरित निर्णय लेने में मदद करता है। इस खेल के लिए 05 बेस निर्धारित किए जायेंगे, साथ ही समस्त निर्धारित बेस हेतु 02–02 बेस इंचार्ज बनाये जायेंगे। बेस इंचार्ज अपने बेस के लिए पूर्ण रुप से जिम्मेदार होंगे।

निर्धारित 05 बेस निम्नानुसार होंगे–

(1) देखकर (चक्षु) द्वारा – इसमें प्रतिभागियों के सामने एक साथ 15–20 वस्तुऍ रखी जाती है,प्रतिभागी 01 मिनट तक वस्तुओं को देखते है,इसके बाद वस्तुओं को छिपा दिया जाता है। प्रतिभागी को स्मरण करके देखी हुई वस्तुओं को सूचीबद्व करते हुए लिखकर बेस इंचार्ज के पास जमा करना होता है। बेस इंचार्ज बेस पर रखी गई वस्तुओंकी अपनी तैयार सूची के आधार पर मूल्यांकन करता है।

(2) छूकर (स्पर्श) द्वारा –इसमें छोटी छोटी पोटलियों में चीजो ंको डालकर प्रतिभागियों के सामने रखा जाता है और स्पर्श के द्वारा प्रतिभागियों को यह लिखित रुप से बताना होता है कि इसमें क्रमवार कौन सी वस्तु रखी गई है, जिसका मूल्यांकन बेसइंचार्ज द्वारा किया जाता है।

(3) जीभ (स्वाद) द्वारा – इसके लिए बेस पर 05 गिलासों में अलग–अलग चीजों के पेय पदार्थ तैयार करके बेस इंचार्ज रखते हैं,प्रतिभागी बेस पर रखे हुये समस्त पेय पदार्थों को उसमें रखे चम्मच की सहायता से एक एक करके अपनी जिह्वा के माध्यम से स्वाद का अनुभव करते हुए क्रमवार लिखित रुप से लिखकर बेस इंचार्ज के पास जमा करेंगे। बेस इंचार्ज अपनी क्रमवार सूची के आधार पर मूल्यांकन करेंगे।

(4) नाक (घ्राण) द्वारा– इंचार्ज इसमें छोटी–छोटी पोटलियों में खाने की चीजें,जैसे–मसाले इत्यादि को सूॅघकर गॅध के आधार पर प्रतिभागियों को सूचीबद्व करते हुए लिखित रुप में बेस इंचार्ज के पास जमा करना होगा। बेस अपनी तैयार की गई सूची के आधार पर मूल्यांकन करेंगे।

(5) कान (श्रवण) द्वारा–इसमें प्रतिभागियों को निर्धारित बेस पर विभिन्न आवाजों को सुनकर पहचानना होता है और पहचान के अनुसार किसकी आवाज है,इसको सूचीबद्व करते हुए लिखित रुप में बेस इंचार्ज के पास जमा करना होगा। बेस इंचार्ज अपनी तैयार सूची के आधार पर मूल्यांकन करेंगे।

नोट– उपरोक्त समस्त कार्यक्रम युवा तरंग महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित किए जायेंगे।

(8) प्रचार प्रसार – विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर युवा तरंग महोत्सव कार्यक्रम का प्रचार–प्रसार करने का उत्तरदायित्व विश्वविद्यालय जनपद का होगा। जिला मुख्यायुक्त से यह अपेक्षा है कि वे अपने नेतृत्व में कार्यक्रम का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें और अधिक से अधिक रोवर/रेंजर का पंजीकरण करवायें ताकि अधिक से अधिक प्रतिभागी आयोजित युवा तरंग महोत्सव का हिस्सा बन सकें एवं इससे लाभान्वित हो सकें।

नोट – 15 सितम्बर से पूर्व विस्तृत दिशा निर्देश विश्वविद्यालय जिला संस्था द्वारा महाविद्यालयों हेतु निर्गत किए जायेंगे।

==========XXX==========

भारत स्काउट और गाइड,उत्तर प्रदेश

प्रादेशिक मुख्यालय,गोल मार्केट,महानगर,लखनऊ

युवा तरंग महोत्सव

सम्वर्ग–रोवर/रेंजर

BSG UID	B	S	G									
ADHAR NO-												

प्रतिभागी वर्दी में फोटो यहाँ चस्पा करें

1. नामः–(हिन्दी में).....

   नाम(अंग्रेजी के कैपिटल लेटर्स में).....

2. पिता का नाम.....

3. जन्मतिथि ...../...../.....लिंग(महिला/पुरुष)

4. पता.....

   .....पिन कोड.....

5. जनपद.....विश्वविद्यालय.....

.

6. मोबाइल नम्बर.....व्हाट्सअप नम्बर.....

7. ई–मेल आई0डी0(जो BSG Event पर पंजीकृत हो)

   .....

8. शैक्षिक योग्यता.....रोवरिंग/रेंजरिंग योग्यता.....

9. ब्लड ग्रुप .....रक्तदान में भागीदारी (हॉ/नहीं) .....

दिनांक..... **(हस्ताक्षर प्रतिभागी)**

भारत स्काउट और गाइड, उत्तर प्रदेश

-: चीफ कमिश्नर फैलोशिप :-

(विश्वविद्यालय जनपद)

प्रादेशिक मुख्यालय : गोल मार्केट, महानगर, लखनऊ

E mail : upscoutsguides@yahoo.com

Website : www.bsgup.org

फोन : 0522-4323838
9839392275

भारत स्काउट और गाइड, उ० प्र०

प्रादेशिक प्रधान कार्यालय : स्काउट भवन, गोल मार्केट, महानगर, लखनऊ – 226006
E-mail : upscoutsguides@yahoo.com, Website : www.bsgup.org
रजिस्ट्रेशन संख्या एस० 1-9407/1959-1960

मुख्य संरक्षक
माननीय श्री राज्यपाल
उ० प्र०

उप मुख्य संरक्षक
माननीय मुख्यमंत्री
उ० प्र०

अध्यक्ष
डा०महेन्द्र सिंह
पूर्व मन्त्री "जल शक्ति"
उ० प्र०

मुख्यायुक्त
डा० प्रभात कुमार
आई० ए० एस०(से०नि०)
पूर्व अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग, उ० प्र०

पत्रांक संख्या – संग०-59/287/2026-27 **दिनांक - 08/05/2026**

सेवा में,

समस्त जिला मुख्यायुक्त
भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0
विश्वविद्यालय जनपद

विषय–चीफ कमिश्नर फैलोशिप के अन्तर्गत प्रोजेक्ट के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

रोवरिंग रेंजरिंग के क्षेत्र में नवाचार तथा जनहित एवं विकास के प्रोजेक्ट्स को रोवर एवं रेंजर के माध्यम से बढ़ावा देने के लिए चीफ कमिश्नर फैलोशिप योजना प्रारम्भ की जा रही है। इस योजना का विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर व्यापक प्रचार करते हुए इच्छुक क्रयू/टीम से फैलोशिप प्रोजेक्ट के लिए आवेदन कराने का कष्ट करें।

फैलोशिप प्रोजेक्ट से सम्बन्धित निर्देश एवं आवेदन का प्रारुप संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है।

अतः 31 जुलाई 2026 तक उक्त के सम्बन्ध में आवेदन पत्र की 02 प्रतियॉ हार्ड कापी में प्रादेशिक मुख्यालय,गोल मार्केट,महानगर,लखनऊ को प्रेषित करने का कष्ट करें।

संलग्नक–उक्तवत।

भवदीय

(डॉ0 प्रभात कुमार)
प्रादेशिक मुख्यायुक्त

प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषितः–

1. कुलपति/जिला अध्यक्ष,भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0,विश्वविद्यालय जनपद।
2. कुल सचिव/जिला सचिव, भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0,विश्वविद्यालय जनपद।
3. प्रादेशिक सचिव, ,भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0।
4. प्रादेशिक संगठन आयुक्त(स्का0/गा0/आई0टी0),,भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0।
5. जिला कमिश्नर (रोवर/रेंजर), भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0,विश्वविद्यालय जनपद।
6. समस्त सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त(स्का0गा0) को इस निर्देश के साथ कि वह विश्वविद्यालय जनपदों से चीफ कमिश्नर फैलोशिप योजना में अधिक से अधिक प्रतिभागिता कराना सुनिश्चित करें।
7. समस्त जिला संगठन आयुक्त/जिला प्रशिक्षण आयुक्त (रोवर/रेंजर), भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0, विश्वविद्यालय जनपद को आवश्यक कार्यवाही हेतु।

(डॉ0 प्रभात कुमार)
प्रादेशिक मुख्यायुक्त

भारत स्काउट और गाइड,उत्तर प्रदेश
चीफ कमिश्नर फैलोशिप
Chief Commissioners Fellowship
(विश्वविद्यालय जनपद)

स्काउटिंग या स्काउट आन्दोलन एक स्वयंसेवी,गैर राजनीतिक एवं शैक्षिक आन्दोलन है, जो सामाजिक गतिविधियों तथा जीवन निर्वाह कौशल पर बल देता है तथा किसी भी रंग,मूल तथा जाति के भेदभाव के बिना प्रत्येक व्यक्ति को मानवता की सेवा का अवसर प्रदान करता है। इसका उद्देश्य युवाओं को उनके शारीरिक,मानसिक और आध्यात्मिक विकास में सहायता करना है ताकि वे समाज तथा राष्ट्र निर्माण में रचनात्मक भूमिका का निर्वहन कर सकें। सभी नागरिकों को मानवता और राष्ट्र सेवा के लिए सदैव तत्पर तथा गतिशील रहना चाहिए। रोवरिंग और रेंजरिंग युवा वर्ग के अन्दर दृढ़ निश्चय,अनुशासन,कठिन परिश्रम तथा समाज और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। यह व्यक्ति में उत्कृष्ट मानवीय गुणों का विकास करती है। यह एक विधा ही नहीं बल्कि एक जीवन शैली है जो व्यक्ति के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह संगठन कई विश्वव्यापी युवा संगठनों में से एक है।

रोवरिंग एवं रेंजरिंग के क्षेत्र में निःस्वार्थ भाव से सेवा कार्य करने वाले व्यक्तियों को पहचान देने के उद्देश्य से उन्हें कई प्रकार के पुरस्कार एवं सम्मान दिये जाने की व्यवस्था है। इस क्षेत्र में रोवर एवं रेंजर द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए तथा समाजसेवा एवं विकास के लिए विशेष कार्यों को बढावा देने के उद्देश्य से यह फैलोशिप योजना रोवर/रेंजर हेतु प्रारम्भ की जा रही है।

फैलोशिप के उद्देश्य –

1. **लाभकारी प्रयासों की पहचान व प्रोत्साहन**– रोवरिंग एवं रेजरिंग के क्षेत्र में किए जा रहे समाज/राष्ट्र के लिए लाभकारी प्रयासों एवं कार्यो की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना।
2. **नवाचार का विस्तार**– यूनिट लीडर द्वारा किए गये नवाचार/कक्षा शिक्षण के प्रयोगों को चिन्हित कर उन्हें replicate तथा upscale करना।
3. **समस्याओं का निराकरण**– रोवरिंग एवं रेंजरिंग से सम्बन्धित समस्याओं की पहचान कर उनके निराकरण के लिए रोवरिंग/रेंजरिंग को शोध के लिए अवसर उपलब्ध कराना।
4. **स्वास्थ्य एवं पोषण को बढ़ावा**– महिलाओं/किशोर/किशोरियों के पोषण एवं स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए Innovative Project विकसित करना तथा क्रियान्वित करना।
5. **व्यवहार्य समाधान विकसित करना**– पर्यावरण सामाजिक,शैक्षिक तथा अन्य क्षेत्रों में विभिन्न समस्याओं को चिन्हित कर उनके लिए innovative, affordable तथा implementable, Solution को विकसित करना।
6. **सहयोगात्मक कार्य संस्कृति**– विभिन्न अन्य संस्थानों के साथ मिलकर व सहयोग लेकर विभिन्न समस्याओं पर Collaborative तथा innovative कार्यक्रम तैयार व क्रियान्वित करना।
7. **रोवरिंग/रेंजरिंग का प्रचार–प्रसार**– रोवरिंग एवं रेंजरिंग का प्रचार प्रसार करते हुए नये यूनिट्स के गठन के लिए innovative तरीके अपनाते हुए बड़ी संख्या में यूनिट्स का गठन कराकर रोवर्स तथा रेंजर्स की संख्या में बढ़ोत्तरी कराना।

फैलोशिप कार्यक्रम निम्नवत संचालित किया जायेगा –

1. प्रोजेक्ट/शोध प्रस्ताव आमंत्रित किया जायेगा।
2. इच्छुक जिला, रोवर/रेंजर समूहों द्वारा फैलोशिप हेतु प्रोजेक्ट/शोध प्रस्तावों की संक्षिप्त रिपोर्ट (रुपरेखा/कार्ययोजना) प्रेषित की जायेगी।
3. प्रोजेक्ट/शोध प्रस्तावों का विशेषज्ञ समिति द्वारा चयन किया जायेगा।
4. Shortlist किए जाने के उपरान्त फाइनल प्रोजेक्ट/शोध कार्य के प्रस्तुतीकरण हेतु प्रदेश समिति के समक्ष प्रस्तुतिकरण किया जायेगा। (राज्य स्तरीय चयन समिति का गठन प्रादेशिक मुख्यायुक्त,उ0प्र0 द्वारा किया जायेगा।)
5. प्रादेशिक चयन समिति द्वारा आयोजित सेमिनार में फाइनल प्रोजेक्ट की प्रस्तुति एवं उसके मूल्यांकन के आधार पर फैलोशिप हेतु प्रादेशिक मुख्यायुक्त द्वारा अन्तिम चयन किया जायेगा।

फैलोशिप योजना में सम्मिलित होने हेतु अर्हता –

1. न्यूनतम 06 सदस्यों का दल जिसमें यूनिट लीडर/यूनिट के सदस्य सम्मिलित हों।
2. यूनिट प्रादेशिक संस्था द्वारा पंजीकृत तथा अद्यतन नवीनीकृत होनी चाहिए।

फैलोशिप की संख्या,अवधि एवं धनराशि –

1. प्रतिवर्ष चीफ कमिश्नर फैलोशिप की अधिकतम संख्या 10
2. अवधि 06 माह से 01 वर्ष
3. अधिकतम धनराशि रुपये 01 लाख प्रति फैलोशिप होगी।

नोट– फैलोशिप की संख्या एवं प्रति फैलोशिप धनराशि को प्रादेशिक मुख्यायुक्त द्वारा परिवर्तित भी किया जा सकता है।

फैलोशिप प्रकाशन एवं जमा करने की तिथि –

1. फैलोशिप प्रकाशन – मई माह में
2. प्रोजेक्ट जमा – 31 जुलाई 2026

प्रोजेक्ट रिपोर्ट चयन की विशेषताएँ–

1. सम्पूर्ण कार्य व्यवहारिक,स्थलीय और रोवरिंग एवं रेंजरिंग उपयोगी होना आवश्यक है।
2. प्रोजेक्ट लेखन और प्रोजेक्ट के लागू होने में समस्त चरणों/प्रक्रियाओं का अनुपालन आवश्यक है। प्रोजेक्ट रिपोर्ट मौलिक हो जिसके लिए शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा। सुझाव वाले या अनुमान के आधार पर प्रस्तुत किये गये अंतिम शोध पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
3. अपनायी जाने वाली प्रक्रिया,योजना के परिणाम हेतु प्रयोग विधियॉ, उनके आंकडे एवं आंकड़ों का विश्लेषण आवश्यक होगा।
4. प्रारम्भिक प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय भी योजना के उद्देश्य,अपनायी जाने वाली प्रक्रिया,अनुमानित परिणाम,रोवरिंग एवं रेंजरिंग के क्षेत्र में इस प्रोजेक्ट की उपयोगिता के बारे में संक्षिप्त जानकारी हो।

सम्भावित कार्य क्षेत्र –

प्रोजेक्ट समन्वयक (Coordinator) के द्वारा प्रस्तावित किया गया प्रोजेक्ट /शोध निम्नांकित किसी विशेष क्षेत्र से सम्बन्धित हो सकता है:–

1. स्थानीय समुदाय/परिवेश मे प्राप्त संसाधनों के प्रयोग से व्यक्तियों को अच्छे कार्य हेतु सक्रिय करना।
2. विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर वातावरण सुधार के लिए नवाचारी रणनीतियों को विकसित करना।
3. महिलाओं/किशोर/किशोरियों के स्वास्थ्य एवं मानवीय मूल्यों के विकास हेतु रणनीतियों को विकसित करना।
4. ऐसे समूहों को संवेदनशील बनाना तथा उनका सशक्तिकरण करना जो समुदाय में वंचित स्थिति में हो।
5. अन्तर वैयक्तिक के सम्बन्धों को विकसित करना।
6. कमजोर वर्ग के बच्चों/युवाओं के विकास एवं संयमीकरण के कार्य।
7. पर्यावरण सामाजिक,शैक्षिक क्षेत्रों में स्थानीय समस्याओं के निराकरण हेतु कार्य/समाधान।
8. अन्य जो सामुदायिक/सामाजिक/आर्थिक/शैक्षिक विकास में योगदान करते हों।

नोट– प्रारम्भिक प्रोजेक्ट रिपोर्ट का संक्षिप्त प्रारुप संलग्न है। (परिशिष्ट–1)

<u>प्रोजेक्ट का चयन</u>– प्रोजेक्ट के चयन हेतु फैलोशिप द्वारा निम्न कार्यवाही की जायेगी।

1. निर्धारित आवेदन पत्र सभी औपचारिकताएँ पूर्ण करने के पश्चात प्रोजेक्ट कवर लेटर के साथ जिसका प्रारुप परिशिष्ट 01 पर है, इसकी एक प्रति अग्रिम रुप से प्रदेश मुख्यालय को उपलब्ध करायी जायेगी,जो प्रदेश की मेल आई0डी0 **<u>chiefcomm.fellowship@gmail.com</u>** पर भेजी जा सकती है।
2. आवेदन पत्र के साथ प्रोजेक्ट का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट 01 पर दिए गये प्रारुप पर उपलब्ध कराया जायेगा।
3. जिला संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि के अन्दर प्रोजेक्ट समन्वयक को जिला संस्था में प्राप्त हुए सभी आवेदन पत्र प्रदेश मुख्यालय उपलब्ध कराये जायेगें। निर्धारित अवधि तक प्राप्त समस्त आवेदन पत्रों का प्रादेशिक मुख्यायुक्त द्वारा गठित समिति द्वारा परीक्षण कर प्रथम दृष्टया उपयुक्त पाए गए आवेदन पत्रों का चयन किया जायेगा,जिसकी सूचना प्रोजेक्ट समन्वयक को समय से उपलब्ध करायी जायेगी।
4. चयनित प्रोजेक्ट समन्वयकों को प्रादेशिक मुख्यायुक्त द्वारा गठित समिति के समक्ष प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया जायेगा। प्रस्तुति के उपरान्त अंतिम रुप से चयन हेतु संस्तुति प्रादेशिक मुख्यायुक्त को भेजी जायेगी।
5. प्रादेशिक मुख्यायुक्त के अनुमोदन के पश्चात चयनित फैलोशिप प्रोजेक्ट की धनराशि की प्रथम किश्त उपलब्ध करायी जायेगी, ताकि प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन निर्धारित समय पर शुरू किया जा सके।

प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन –

1. चयनित प्रोजेक्ट को निर्धारित अवधि में प्रोजेक्ट टीम द्वारा क्रियान्वित किया जायेगा तथा प्रोजेक्ट रिपोर्ट में दिए गए माइल स्टोन के अनुसार कार्य का विवरण/आख्या प्रादेशिक मुख्यालय को उपलब्ध कराना होगा।
2. क्रियान्वयन के दौरान प्रादेशिक मुख्यायुक्त द्वारा नामित प्रतिनिधियों द्वारा प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया जायेगा। प्रोजेक्ट सम्पादित होने के पश्चात प्रोजेक्ट की अंतिम पूरी रिपोर्ट प्रादेशिक मुख्यालय को प्रेषित की जायेगी,जिसके बाद अन्तिम किश्त का चयन किया जायेगा।
3. सम्पादित प्रोजेक्ट रिपोर्ट को भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0 की वेबसाइट तथा तेजल पत्रिका मे प्रकाशित किया जायेगा तथा उनको दोहराने तथा शीर्षस्थ करने के लिए सम्बन्धित संस्थाओं/विभागों के साथ समन्वय किया जायेगा।
4. कुल स्वीकृत धनराशि 04 किश्तों में अवमुक्त की जायेगी, जिसमें चौथी किश्त अन्तिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट आने के बाद मूल्यांकन के पश्चात अनुमोदित की जायेगी।
5. प्रत्येक किश्त का उपयोग प्रमाण पत्र देने के बाद ही अगली किश्त दी जायेगी।

नोट – प्रोजेक्ट का प्रस्ताव और रिपोर्ट हिन्दी या अंग्रेजी किसी भी भाषा में भेजी जा सकती है। (संलग्नक– परिशिष्ट 01 और परिशिष्ट 04)

==========XXX==========

भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0, गोल मार्केट, महानगर, लखनऊ

Application for Chief Commissioners Fellowship

चीफ कमिश्नर फैलोशिप हेतु आवेदन पत्र

(विश्वविद्यालय जनपद)

निर्देश–

- **यह प्रपत्र केवल प्रादेशिक संस्था द्वारा प्रदान किए जाने वाली फैलोशिप के लिए है।**
- **आवेदन पत्र की तीन प्रतियॉ प्रमाणकों सहित विश्वविद्यालय जिला संस्था को संस्तुति हेतु प्रस्तुत करें,जिसकी 02 प्रतियॉ प्रादेशिक मुख्यालय को जिला मुख्यायुक्त की संस्तुति के साथ उपलब्ध करायेंगे।**

1. नाम प्रोजेक्ट समन्वयकः .....
2. जन्मतिथिः .....
3. व्यवसायः .....
4. आवासीय पताः .....
   .....फोन नम्बरः .....
   .....ईमेल आईडी0.....
5. समूह/संस्था का नामः .....
6. जनपदः .....
7. शैक्षिक योग्यताः .....
8. रोवरिंग/रेंजरिंग योग्यताः .....
9. वर्तमान में रोवरिंग/रेंजरिंग में किस पद पर कार्यरत हैं .....
   (अधिकार पत्र(वारण्ट)के विवरण सहित)

❖ **आवेदन पत्र की एक अग्रिम प्रति प्रादेशिक मुख्यालय की ईमेल chiefcomm. fellowship@gmail.com पर सीधे भी भेजी जा सकती है।**

समूह के सदस्यों का विवरण

क्रमांक	नाम	रोवरिंग/ रेंजरिंग योग्यता	प्रमाण पत्र संख्या	दिनांक	मोबाइल नं0
1					
2					
3					
4					
5					
6					

Project Proposal (प्रोजेक्ट का प्रस्ताव)

1. Project Title
2. Introduction including Project rationale: Detailed description of the problem being solved.
3. Objectives and Deliverables: Broad aims and specific, Smart (Specific, Measurable, Achievable, Relevant, Time-bound) steps.
4. Area of Work: Description of area of project work.
5. Approach and Methodology: How the project will be executed.
6. Time Lines: A schedule of key milestones.
7. Budget: Detailed estimation of resources and costs.
8. Risk Management: Identification of potential issues and mitigation plans.
9. Conclusion: Expected Outcomes.

परिशिष्ट–2

प्रोजेक्ट कवर लैटर

1.प्रोजेक्ट समन्वयक (coordinator) का नाम(अंग्रेजी के बड़े अक्षरों मे)

Dr. / Mrs. / Mr. / KU. .....

डॉ0 / श्रीमती / श्री / कु0 .....(हिन्दी में)

2.समूह / संस्था का नाम .....

3.पत्राचार हेतु पता .....

.....विकास खण्ड.....

.....जनपद.....पिन कोड.....फोन / मोबाइल नम्बर.....

.....ई–मेल आई0डी0.....

4.संस्था का स्तर (सही का निशान लगायें)

(क) शासकीय

(ख) अशासकीय

(ग) प्राइवेट

5.प्रोजेक्ट का शीर्षक(हिन्दी में).....

.....प्रोजेक्ट का शीर्षक(अंग्रेजी में).....

.....

6.प्रेषित की गई प्रतियों की संख्या.....

7.रिपोर्ट में पृष्ठों की संख्या.....

नोट – कम से कम दो प्रतियॉ।

हस्ताक्षर.....

प्रोजेक्ट समन्वयक का नाम.....

परिशिष्ट –3

प्रोजेक्ट समन्वयक द्वारा प्रमाण पत्र

मैं .....प्रमाणित करता/करती हूँ कि प्रोजेक्ट प्रस्ताव जिसका शीर्षक.....है मेरा तथा मेरी टीम के सदस्यों का मूल कार्य है। इसका प्रयोग/उपयोग किसी अन्य जगह नहीं किया जायेगा और न ही कहीं अन्य से यह कापी किया गया है।

दिनाांक.....

स्थान.....

हस्ताक्षर.....

प्रोजेक्ट समन्वयक का नाम.....

Draft Structure of Final Project Report Writing

A. Preliminary Pages

1. **Title Page:** Project title, author's name, institution/organization, and date.
2. **Declaration/Certification:** A signed statement confirming the originality of the work.
3. **Acknowledgments:** Recognition of people or organizations that helped with the project.
4. **Table of Contents:** List of chapters, sections, and page numbers.
5. **Lists:** Separate lists for figures, tables, and abbreviations.
6. **Abstract/Executive Summary:** A concise summary covering the aim, methodology, key findings, and conclusions.

B. Core Chapters (Main Body)

- **Chapter 1: Introduction:** Sets the context, provides background, states the problem, defines the project's purpose, objectives, scope, and significance.
- **Chapter 2: Literature Review:** A critical review of existing studies, theories, and literature relevant to the topic to demonstrate a deep understanding of the field.
- **Chapter 3: Methodology:** Explains the research design, data collection methods (e.g., surveys, interviews, experiments), and analysis techniques, justifying why these methods were chosen.
- **Chapter 4: Findings and Results:** Presents the data collected (often using tables, graphs, and charts) without interpretation. This is "just the facts".
- **Chapter 5: Discussion, Conclusion, and Recommendations:** Interprets the findings, addresses research objectives, states final conclusions, and provides practical suggestions for future work or action.

C. End Matter (Supplementary Material)

- **References/Bibliography:** A complete list of all sources cited in the project using a specific style.
- **Appendices:** Supporting materials that are too detailed for the main text, such as questionnaires, raw data tables, or specialized maps.

–: घोषणा :–

मैं (नाम).....घोषणा करता/करती हूँ कि उपरोक्तानुसार तथ्य मेरी जानकारी में सही व सत्य है। यदि कोई कथन असत्य पाया जाता है तो प्रदत्त फैलोशिप किसी भी समय संस्था द्वारा वापस किया जा सकता है।

समन्वयक के हस्ताक्षर.....

पता एवं फोन नम्बर.....

नोट–आवेदन पत्र में दर्शाये गई सूचनाओं के अनुसार प्रमाण पत्रों की छाया प्रतियॉ संलग्न करें।

जिला संस्था के प्रयोगार्थ

जिला संस्था इस प्रोजेक्ट को चीफ कमिश्नर्स फैलोशिप के लिए संस्तुत करती है/नहीं करती है।

हस्ताक्षर.....

जिला मुख्यायुक्त मुहर.....

प्रादेशिक मुख्यालय के प्रयोगार्थ

फैलोशिप कमेटी की संस्तुति

ह0..... ह0.....

अध्यक्ष फैलोशिप कमेटी प्रा0संग0आयुक्त(स्का0/गा0)

प्रादेशिक मुख्यालय के प्रयोगतार्थ

हस्ताक्षर.....

स्वीकृत/अस्वीकृत

प्रादेशिक मुख्यायुक्त

भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0

भारत स्काउट और गाइड, उत्तर प्रदेश

-: बी0 एस0 जी0 छात्रवृत्ति योजना :-

(रोवर / रेंजर)

प्रादेशिक मुख्यालय : गोल मार्केट, महानगर, लखनऊ

E mail : upscoutsguides@yahoo.com

Website : www.bsgup.org

फोन : 0522-4323838
9839392275

भारत स्काउट और गाइड, उ० प्र०

प्रादेशिक प्रधान कार्यालय : स्काउट भवन, गोल मार्केट, महानगर, लखनऊ – 226006
E-mail : upscoutsguides@yahoo.com, Website : www.bsgup.org
रजिस्ट्रेशन संख्या एस० 1-9407/1959-1960

मुख्य संरक्षक
माननीय श्री राज्यपाल
उ० प्र०

उप मुख्य संरक्षक
माननीय मुख्यमंत्री
उ० प्र०

अध्यक्ष
डा०महेन्द्र सिंह
पूर्व मन्त्री "जल शक्ति"
उ० प्र०

मुख्यायुक्त
डा० प्रभात कुमार
आई० ए० एस०(से०नि०)
पूर्व अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग, उ० प्र०

पत्रांक संख्या – संग०-59/289/2026-27 **दिनांक - 08/05/2026**

सेवा में,

समस्त जिला मुख्यायुक्त
भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0
विश्वविद्यालय जनपद

विषय– बी0एस0जी0 छात्रवृत्ति के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

स्काउटिंग/गाइडिंग से जुड़े मेधावी रोवर/रेंजर के प्रोत्साहन के लिए विश्वविद्यालय जनपद/प्रदेश स्तर पर बी0एस0जी0 छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2026–27 में किए जाने का निर्णय लिया गया है। जिससे सम्बन्धित विस्तृत दिशा निर्देश संलग्न कर प्रेषित किए जा रहे हैं।

अतः आपसे अनुरोध है कि बी0एस0जी0 छात्रवृत्ति योजना में अपने विश्वविद्यालय जनपद के अधिक से अधिक रोवर/रेंजर की प्रतिभागिता सुनिश्चित कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नक–उक्तवत।

भवदीय

(डॉ0 प्रभात कुमार)
प्रादेशिक मुख्यायुक्त

प्रतिलिपि सूचनार्थ :–

1. कुलपति/जिला अध्यक्ष,भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0,सम्बन्धित विश्वविद्यालय जनपद।
2. कुल सचिव/जिला सचिव, भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0,सम्बन्धित विश्वविद्यालय जनपद।
3. प्रादेशिक सचिव, भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0।
4. प्रादेशिक संगठन आयुक्त(स्का0/गा0/आई0टी0) भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0 को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
5. समस्त सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त (स्का0गा0) को इस निर्देश के साथ कि वह अपने विश्वविद्यालय जनपद से उक्त प्रतियोगिता में अधिक से अधिक प्रतिभागिता कराना सुनिश्चित करें।
6. जिला आयुक्त (रोवर/रेंजर), भारत स्काउट और गाइड, उ0प्र0, सम्बन्धित विश्वविद्यालय जनपद।
7. समस्त जिला संगठन आयुक्त/जिला प्रशिक्षण आयुक्त (रोवर/रेंजर), भारत स्काउट और गाइड,उ0प्र0, विश्वविद्यालय जनपद को आवश्यक कार्यवाही हेतु।

(डॉ0 प्रभात कुमार)
प्रादेशिक मुख्यायुक्त

भारत स्काउट और गाइड,उत्तर प्रदेश

बी0 एस0 जी0 छात्रवृत्ति योजना नियमावली

रोवर/रेंजर

भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश संस्था का मुख्य उद्देश्य युवाओं का सर्वांगीण विकास करते हुए उन्हें समाज तथा राष्ट्र के लिए आदर्श तथा चरित्रवान नागरिक के रुप में तैयार करना हैं। वर्तमान में स्काउटिंग/गाइडिंग के प्रशिक्षण/कार्यक्रम प्राथमिक से लेकर महाविद्यालय स्तर तक संचालित हैं। इसी क्रम में स्काउटिंग/गाइडिंग विधा से जुड़े हुए ऐसे मेधावी छात्र/छात्राओं के लिए प्रदेश स्तर पर भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश संस्था एक नवीन योजना की शुरुआत **बी0एस0जी0छात्रवृत्ति योजना** के रुप में सत्र 2026–27 से कर रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य मेधावी छात्र/छात्राओं की खोज कर योजना का लाभ प्रदान करते हुए उन्हें समाज/राष्ट्र के लिए बेहतर नागरिक के रुप में अपनी सेवाएँ प्रदान करने के लिए तैयार करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को लाभान्वित करना हैं।

बी0एस0जी0 छात्रवृत्ति के सम्बन्ध में दिशा निर्देश निम्नवत हैं–

(1) बी0एस0जी0 छात्रवृत्ति की श्रेणी– यह छात्रवृत्ति योजना विश्वविद्यालय जनपदों के रोवर/रेंजर के लिये है।

(2) बी0एस0जी0 छात्रवृत्ति हेतु अर्हता– (01.07.2026 को)

क्रम संख्या	सम्वर्ग	अर्हता
1	रोवर/रेंजर	15 से 25 वर्ष के बीच की आयु

(1) प्रतिभाग करने वाले रोवर/रेंजर की यूनिट पंजीकृत एवं अद्यतन नवीनीकृत होनी अनिवार्य है।

(2) प्रतिभागियों की बी0एस0जी0यू0आई0डी0 होनी अनिवार्य है।

(3) छात्रवृत्ति हेतु पुरस्कार की संख्या तथा धनराशि –

क्रम संख्या	सम्वर्ग	संख्या	धनराशि
1	रोवर	20	1000/–
2	रेंजर	20	1000/–

नोट–

1. निर्धारित छात्रवृत्ति दो अर्द्धवार्षिक किश्तों में दी जायेगी।
2. धनराशि सम्बन्धित के बैंक खाते में सीधे हस्तान्तरित की जायेगी।
3. सम्वर्गवार निर्धारित छात्रवृत्ति की संख्या में परिवर्तन का अधिकार प्रादेशिक मुख्यायुक्त के पास निहित होगा।

(4) छात्रवृत्ति प्रतियोगिता का आयोजन– यह प्रतियोगिता 02 स्तर पर आयोजित की जायेगी–

क– विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर– जो प्रतिभागी निर्धारित तिथि तक पंजीकरण करा लिया है, उनकी परीक्षा विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर होगी।

ख–प्रदेश स्तर पर – प्रत्येक विश्वविद्यालय जनपद से रोवर/रेंजर में वरीयता के आधार पर प्रथम 05 –05 अभ्यर्थियों की परीक्षा प्रदेश स्तर पर होगी। इस परीक्षा की मेरिट से ही फाइनल चयन होगा।

(5) छात्रवृत्ति हेतु पंजीकरण –

- विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर पंजीकरण 15 अगस्त से 30 सितम्बर 2026 के मध्य किया जायेगा।
- पंजीकरण संलग्न प्रारुप पर ही मान्य होगा।
- प्रत्येक प्रतिभागी से पंजीकरण शुल्क के रुप में प्रदेश द्वारा रू0 150.00 लिया जायेगा,जो रजिस्ट्रेशन के समय देय होगा।
- पंजीकरण शुल्क प्रदेश मुख्यालय के खाते में आर0टी0जी0एस0/ऑनलाइन जमा होगी।
- विश्वविद्यालय जनपद के सभी पंजीकृत अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र एवं फाइनल सूची जिला मुख्यायुक्त और जिला सचिव के द्वारा हस्ताक्षरित 10 अक्टूबर 2026 तक प्रादेशिक मुख्यालय को अनिवार्य रुप से भेजनी होगी साथ में पंजीकरण शुल्क का पूरा विवरण भी देना होगा।

(6) विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर बी0एस0जी0 छात्रवृत्ति का आयोजन–

1. विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर परीक्षा माह नवम्बर 2026 में आयोजित की जायेगी।
2. परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पिक प्रश्नों के आधार पर होगी। परीक्षा का प्रश्न पत्र कुल 60 प्रश्नों का होगा। प्रत्येक प्रश्न 03 अंक का होगा। अतः परीक्षा के कुल पूर्णांक 180 होंगे।
3. परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग भी की जायेगी। प्रत्येक 01 गलत उत्तर पर 01 अंक की नेगेटिव मार्किंग होगी अर्थात 01 गलत उत्तर पर 01 अंक कटेगा। उदाहरणार्थ यदि किसी अभ्यर्थी ने 60 प्रश्नों में से कुल 50 प्रश्नों का उत्तर दिया है,जिसमें से उसके 40 प्रश्न सही एवं 10 प्रश्न गलत हैं तो उसको कुल प्राप्तांक $(40\times3)-(10\times1)=110$ अंक होंगे।

(7) परीक्षा हेतु निर्देश – विश्वविद्यालय जनपद स्तर की परीक्षा कुलपति के निर्देशन में होगी।

(अ) विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर – कुलपति निम्नानुसार **03 सदस्यों** की समिति बनायेंगें।

1. कुल सचिव	अध्यक्ष
2. जिला मुख्यायुक्त	सदस्य
3. जिला कमिश्नर(रोवर/रेंजर)	सदस्य

1. विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर परीक्षा केन्द्र का निर्धारण गठित समिति द्वारा मण्डल मुख्यालय पर परीक्षा हेतु आवश्यक सम्पूर्ण व्यवस्थाओं के आधार पर किया जायेगा।
2. परीक्षा से 15 दिन पूर्व अर्ह प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय जनपद में प्रवेश पत्र दिय जायेगे।
3. परीक्षा के आयोजन तथा मूल्यांकन के सम्बन्ध में विस्तृत आवश्यक निर्देश पृथक से दिए जायेंगे।
4. परीक्षा 01 घण्टे की होगी।

5. प्रश्न पत्र निम्न तीन विषयों पर आधारित होगा–

(अ) स्काउटिंग / गाइडिंग,रोवरिंग / रेंजरिंग की जानकारी

(ब) सामान्य ज्ञान

(स) उत्तर प्रदेश के विषय में विशेष जानकारी – भौगोलिक, राजनीतिक, स्वास्थ्य, उद्योग एवं शिक्षा

6. बहुविकल्पिक मॉडल प्रश्न पत्रों का प्रारुप व पाठ्यक्रम साथ में भेजा जा रहा है।

(ब) <u>प्रदेश स्तर पर –</u>

1. प्रदेश स्तर पर प्रादेशिक मुख्यायुक्त के निर्देशन में परीक्षा प्रादेशिक प्रशिक्षण केन्द्र प्रयागराज में आयोजित की जायेगी। विशेष परिस्थिति में अन्य परीक्षा केन्द्र भी बनाया जा सकता है।
2. परीक्षा हेतु अर्ह अभ्यर्थियों को प्रदेश मुख्यालय द्वारा ऑनलाइन प्रवेश पत्र जारी किए जायेंगे।
3. प्रदेश स्तर पर परीक्षा माह दिसम्बर 2026 की निर्धारित तिथि पर होगी।
4. प्रदेश स्तर की परीक्षा में प्रत्येक विश्वविद्यालय जनपद से टॉप 5–5 प्रतिभागी ही होंगे।
5. प्रादेशिक परीक्षा का पाठ्यक्रम तथा प्रश्नपत्रों का प्रकार एवं नेगेटिव मार्किंग विश्वविद्यालय जनपद स्तर की परीक्षा के अनुरुप होगी।
6. परीक्षा 01 घण्टे की होगी।
7. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन OMR शीट के माध्यम से होगा।
8. प्रश्न पत्र निम्न तीन विषयों पर आधारित होगा–

   (अ) स्काउटिंग / गाइडिंग,रोवरिंग / रेंजरिंग का ज्ञान

   (ब) सामान्य ज्ञान

   (स) उत्तर प्रदेश के विषय में विशेष जानकारी – भौगोलिक, राजनीतिक, स्वास्थ्य,उद्योग एवं शिक्षा
9. प्रदेश स्तर पर सभी कॉपियों का एक ही जगह पर होगी।

(8) <u>ध्यान देने योग्य तिथियॉ / माइल स्टोन –</u>

(1) प्रदेश स्तर पर बी0एस0जी0छात्रवृत्ति प्रतियोगिता के निर्देश प्रसारित होने की तिथि – मई 2026 तक

(2) विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर अभ्यर्थियों के पंजीकरण की तिथि – 01 अगस्त से 15 सितम्बर 2026 तक

(3) विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर पंजीकृत अभ्यर्थियों की सूची एवं शुल्क प्रदेश मुख्यालय भेजने की अंतिम तिथि – 30 सितम्बर 2026 तक

(4) विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर परीक्षा आयोजन – अक्टूबर 2026 तक

(5) अभ्यर्थियों की सूची प्रदेश मुख्यालय भेजने की तिथि – 15 नवम्बर 2026 तक

(6) प्रदेश स्तर पर परीक्षा का आयोजन – दिसम्बर 2026 तक

नोट– प्रतिभागी एक श्रेणी में एक ही बार छात्रवृत्ति प्राप्त कर सकता है।

(9) प्रतियोगिता का प्रचार प्रसार –

1. विश्वविद्यालय जनपद स्तर पर प्रतियोगिता का प्रचार–प्रसार करने का उत्तरदायित्व विश्वविद्यालय जनपद संस्था का होगा।
2. जिला मुख्यायुक्त अपने नेतृत्व में प्रतियोगिता का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करेगें और ज्यादा से ज्यादा रोवर/रेंजर का पंजीकरण करायेगें।
3. प्रत्येक विश्वविद्यालय जनपद के लिए प्रतिभागियों का लक्ष्य संलग्न कर प्रेषित है ताकि अधिक से अधिक प्रतिभागी इस बी0एस0जी0 छात्रवृत्ति प्रतियोगिता में भाग ले सकें एवं इससे लाभान्वित हो सकें।

==========XXX==========

बी.एस.जी. छात्रवृत्ति प्रतियोगिता

प्रश्न पत्र का प्रारूप

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

परीक्षण पुस्तिका क्र.
Test Booklet No

परीक्षण पुस्तिका कोड
Test Booklet Code

सीरीज़ A

Rover Ranger

अनुक्रमांक अंको में (in Figure)

शब्दों में (in Words)

रोवर/रेंजर का नाम
Name of the Rover/Ranger

रोवर/रेंजर का हस्ताक्षर
Signature of the Rover/Ranger

कक्ष निरीक्षक का हस्ताक्षर
Class Invigilator's Signature

दिनांक

दिन

समय : 1 घण्टा

पूर्णांक : 180

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

- इस परीक्षण पुस्तिका में कुल 60 प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 अंक का है। प्रत्येक गलत उत्तर पर 1 अंक की निगेटिव मार्किंग होगी।
- **OMR** शीट में कटिंग, श्वेत/करेक्शन तरल का उपयोग तथा इरेजिंग की अनुमति नहीं हैं। इस प्रकार के उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।
- केवल नीले/काले बॉल प्वाइंट पेन का उपयोग करें। पेंसिल का प्रयोग सख्त रूप से वर्जित है।
- परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षण पुस्तिका और OMR शीट कक्ष निरीक्षक को अवश्य सौंप दें। कक्ष निरीक्षक की अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
- परीक्षार्थी परीक्षण पुस्तिका के कवर पेज पर अनुक्रमांक व नाम के अतिरिक्त कोई चिन्ह न लगाएं।
- परीक्षण पुस्तिका खोलने के तुरन्त बाद जांच करके देख लें कि परीक्षण पुस्तिका के सभी पेज भली भांति छपे हैं। यदि कोई त्रुटि हो, तो निरीक्षक को दिखा कर उसी सीरीज कोड की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।

माडल प्रश्न

1. रोवर/रेंजर में प्रवेश की उम्र क्या है?
(A) 15 से 25 (B) 10 से 15
(C) 18 से 20 (D) इनमें से कोई नहीं

2. रोवर के किस पाकेट पर मेम्बर शिप बैज लगता है?
(A) वाये पाकेट पर (B) दाये पाकेट पर
(C) दोनो पर (D) उपरोक्त कोई नहीं

3. रोवरिंग टू सक्सेज नामक पुस्तक कब लिखी गयीं?
(A) सन 1922 में (B) सन 1920 में
(C) सन 1921 में (D) सन 1923 में

4. रोवर रेंजर के उद्देश्य क्या है?
(A) भाई चारा (B) भाई चारा एंव दूसरे की सेवा
(C) भलाई (D) इनमें कोई नहीं

5. रोवर क्रयू या रेंजर टीम में कितने सदस्य होते है?
(A) कम से कम 8 अधिक से अधिक 24
(B) कम से कम 6 अधिक से अधिक 8
(C) कम से कम 8 अधिक से अधिक 12
(D) इनमें से कोई नहीं

6. रोवर/रेंजर की क्या योग्यता होनी चाहिए?
(A) हाई स्कूल उत्तीर्ण (B) आठवी परीक्षा उत्तीर्ण
(C) कम से कम हाई स्कूल उत्तीर्ण (D) इनमें से कोई नहीं

भारत स्काउट और गाइड,उत्तर प्रदेश

प्रादेशिक मुख्यालय,गोल मार्केट,महानगर,लखनऊ

BSG छात्रवृत्ति प्रतियोगिता 2026–27 पंजीकरण फार्म

1. नाम (हिन्दी में):.....

   नाम (अंग्रेजी के कैपिटल लेटर्स में):.....

2. पिता का नामः.....

3. जन्मतिथि:.....बी0एस0जी0यू0आई0डी0: BSG.....

   (जन्मतिथि का प्रमाण पत्र संलग्न करें)

4. संवर्ग (रोवर/रेंजर):.....

5. यूनिट का नामः.....

6. विद्यालय :.....

   .....पिन कोड.....

7. जनपदः.....मोबाइल नम्बर.....व्हाट्सअप नम्बर .....

8. ई मेल आई०डी०:.....

9. कक्षा (जिसमें अध्यनरत हैं):.....स्काउटिंग/गाइडिंग योग्यता.....

10. प्रतियोगिता शुल्क विवरणः .....

आवेदक के हस्ताक्षर **जिला सचिव/जिला संगठन आयुक्त (स्काउट/गाइड)**

========== **प्रतिभागियों हेतु** ==========

क्रमांक :

1. नाम (हिन्दी में):..... मोबाइल नम्बर.....
2. संवर्ग (रोवर/रेंजर):.....
3. ई मेल आई०डी०:..... BSGUID.....
4. प्रतियोगिता शुल्क विवरणः .....

हस्ताक्षर प्राप्तकर्ता

नाम.....